Series 8EFDG

Set – 3

प्रश्न-पत्र कोड **3/8/3**

अनुक्रमांक

Roll No.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथास्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **चार** खंड हैं – **खंड – क, ख, ग, घ** ।*

(iii) ***खंड – क** में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है ।*

(iv) ***खंड – ख** में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है ।*

(v) ***खंड – ग** में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है ।*

(vi) ***खंड – घ** में कुल 4 प्रश्न हैं ।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है, यद्यपि, कुछ खंडों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

(viii) *यथासंभव **सभी** खंडों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।*

खंड – क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **7**

जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते, वैसा आनंद हमारे भीतर पहले से ही है । लेकिन आनंद पाने के लिए हम दूसरों के पीछे भागते रहते हैं । हमारे जीवन में हर दिन उल्लास और उमंग के साथ आता है । लेकिन अपने जीवन के अंदरूनी अध्याय में झाँक कर देखें तो यह हर दिन कोरे काग़ज़ की तरह हमारे सामने आता है । अपनी कलम से उस पर हम कुछ न कुछ लिखते हैं । क्या लिखते हैं, सिर्फ हमें मालूम है । कुछ लिखा तो था, लेकिन इतनी जल्दी में थे कि पढ़ भी न सके । समझने के पहले ही पन्ना पलट गया । क्यों हुआ ऐसा, जबकि जीवन की हर साँस उस स्याही से भरी है, जिससे जिंदगी को कोई नया मोड़ दे सकते हैं । कलम हमारे हाथ में, साँसों की स्याही और पन्ना हमारे सामने-फिर लिखने में क्या दिक्कत ? कोल्हू में जुता बैल एक लकीर पर चलता जाता है । उस वक्त उसके मन में विचार आता होगा कि कितना चल लिया, कहाँ से कहाँ पहुँच गया !

लेकिन, जब आँखों से पट्टी खोली जाती है, तो उसे पता चलता है कि जहाँ था, वहीं पर है । कहीं भी नहीं गया । चला तो कई मील, लेकिन पहुँचा कहीं नहीं । इस दुनिया की भी यही हालत है, इसने हर इंसान को एक बैल की तरह बना दिया है । हम कर्म तो करते हैं, पर यह नहीं मालूम कि क्यों कर रहे हैं ? इसका क्या फल होगा ? क्या हमको करना चाहिए था ? इन सवालों के बारे में कभी नहीं सोचते । बस कुछ न कुछ करते रहते हैं । इसलिए अपनी जिंदगी में आँखें खोल के काम कीजिए । आँखों पर पर्दा पड़ा रहा, तो जीवन हाथ से निकल जाएगा । जो पन्ने मिले हैं आपके नाम के, उस पर कुछ ऐसा लिखने की कोशिश कीजिए, जो सुंदर और अर्थपूर्ण हो ।

(i) "हर दिन कोरे काग़ज़ की तरह आता है ।" गद्यांश में कहा गया यह कथन दर्शाता है कि _____ **1**

(A) हर दिन कोरा काग़ज़ है ।

(B) हर दिन हमारे लिए नया अवसर होता है ।

(C) हर दिन काग़ज़ में हम कुछ न कुछ लिखते हैं ।

(D) हर दिन काग़ज़ नहीं होता ।

(ii) "कोल्हू का बैल" किस जीवन-दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है ? **1**

(A) मेहनती जीवन को (B) लक्ष्यहीन, अचेतन और दोहराव भरे जीवन को

(C) संघर्ष भरे जीवन को (D) बंधनमुक्त जीवन को

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : **1**

कथन : हम जीवन में आनंद का अनुभव नहीं कर पाते ।

कारण : आनंद हमारे बाहर नहीं, भीतर होता है, लेकिन हम उसे दूसरों में ढूँढ़ते हैं ।

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है ।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है ।

(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है ।

(iv) गद्यांश के अनुसार 'कलम हमारे हाथ में है' का क्या आशय है ? **2**

(v) गद्यांश का मुख्य संदेश क्या है ? **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **7**

नए युग में विचारों की नई गंगा बहाओ तुम,
कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तूफाँ में नहाओ तुम ।
अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तो तारे गगन के तोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने –
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है –
उसी विश्वास को फिर आज जन–जन में जगाओ तुम ।
पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे,
करोड़ों दीन–हीनों को नया जीवन दिला दोगे ।
तुम्हारी देह के श्रम–सीकरों में शक्ति है इतनी –
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे ।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है ।
इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम ।

(i) 'करोड़ों दीन–हीनों को नया जीवन दिलाने' से क्या अभिप्राय है ? **1**

(A) लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान करना ।

(B) उपेक्षित वर्ग को सम्मान और अधिकार दिलाना ।

(C) दीन–हीन व्यक्तियों की सेवा–शुश्रूषा करना ।

(D) असहाय व्यक्तियों के आश्रय स्थल की व्यवस्था करना ।

(ii) काव्यांश के संदर्भ में 'तारे गगन के तोड़ सकते हो' का क्या आशय है ? **1**

(A) असंभव को संभव बनाना ।

(B) अंतरिक्ष के रहस्य सुलझाना ।

(C) खगोल विज्ञान को समझना ।

(D) आकाश की ऊँचाई को नापना ।

(iii) 'नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है' – पंक्ति का भाव है – **1**

(A) युवाओं के छोटे से प्रयास से ही समाज में बड़ा परिवर्तन आ सकता है ।

(B) युवा अपनी मेहनत से असंभव को संभव बना सकते हैं ।

(C) युवा शक्ति को समाज समझने में असफल रहा है ।

(D) युवाओं को समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए ।

(iv) 'अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो' – इस पंक्ति के माध्यम से कवि ने युवाओं की किस शक्ति की ओर संकेत किया है ? **2**

(v) काव्यांश के आधार पर युवाओं के प्रति कवि के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए । **2**

खंड – ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **4 × 1 = 4**

(i) जो शब्द सबसे कम समझ आते हैं वो है सभ्यता और संस्कृति ।

(सरल वाक्य में बदलकर लिखिए ।)

(ii) संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज़ की खोज करता है किंतु उसकी संतान को वह पूर्वजों से प्राप्त हो जाती है ।

(रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए ।)

(iii) आषाढ़ की रिमझिम में समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है ।

(संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए ।)

(iv) एक क्षण ऐसा आता कि बीच में खँजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाच रहे हैं ।

(रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए ।)

(v) दरवाज़े की घंटी बजी और अतिथि आ गए ।

(मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए ।)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **4 × 1 = 4**

(i) लोगों ने गीत नहीं सुना । (कर्मवाच्य में बदलकर लिखिए ।)

(ii) बालगोबिन भगत द्वारा हर वर्ष गंगा स्नान किया जाता । (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए ।)

(iii) घर में पतोहू सो रही है । (भाववाच्य में बदलकर लिखिए ।)

(iv) खाँ साहब अफ़सोस जताते हैं । (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए ।)

(v) नवाब साहब द्वारा बहुत करीने से खीरों पर नमक-मिर्च मला गया ।

(कर्तृवाच्य में बदलकर लिखिए ।)

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के रेखांकित पदों का 'पद-परिचय' लिखिए : **4 × 1 = 4**

(i) खीरे की एक फ़ाँक को उठाकर सूँघा ।

(ii) ताजमहल आगरा में है ।

(iii) बिना किसी संकोच के, मैं धुआँधार बोल रही थी ।

(iv) माँ ने दोपहर में सब कुछ बताया तब मैंने राहत की साँस ली ।

(v) अजमेर के प्रतिष्ठित डॉ. अंबालाल जी बैठे थे ।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए : **4 × 1 = 4**

(i) सहसबाहु समसो रिपु मोरा ।

(ii) बीती विभावरी जागरी, अम्बर-पनघट में डुबा रही,

तारघट उषा-नागरी ।

(iii) धनुष उठाया ज्यों ही उसने और चढ़ाया उस पर बाण ।

धरा-सिन्धु नभ काँपे सहसा, विकल हुए जीवों के प्राण ।।

(iv) है वसुंधरा बिखेर देती मोती सबके सोने पर

रवि बटोर लेता है उसको सदा सबेरा होने पर ।

(v) जो नत हुआ, वह मृत हुआ ज्यों 'वृत से झरकर' कुसुम

खंड – ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य–पुस्तक)

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की ।
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म–कथा ?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा ।

(i) 'स्मृति को पाथेय' बनाने का क्या अभिप्राय है ?

(A) निराशा में आशा ढूँढ़ना (B) हताशा और निराशा

(C) सुखद स्मृतियों के सहारे जीना (D) स्मृति को भुला देना

(ii) काव्यांश में 'सीवन को उधेड़ कर देखने' का क्या आशय है ?

(A) विस्मृत पीड़ा को कुरेदना

(B) अपने बारे में सबको बताना

(C) अपने अच्छे दिनों को याद करना

(D) जो याद था उसे भूल जाना

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : कवि अपने जीवन की कथाएँ नहीं सुनाना चाहता है ।

कारण : वह औरों की सुनकर मौन रहना अच्छा मानता है ।

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है ।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(C) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है ।

(D) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या नहीं है ।

(iv) "क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?" पंक्ति के अनुसार कवि मौन क्यों रहना चाहता है ?

(I) जीवन में महान उपलब्धि का न होना ।

(II) जीवन-व्यथा का थककर सोया होना ।

(III) उचित अवसर का न होना ।

(IV) दूसरों के दबाव के कारण मौन होना ।

विकल्प :

(A) (I) और (II) सही हैं ।

(B) (III) और (IV) सही हैं ।

(C) (II), (III) और (IV) सही हैं ।

(D) (I), (II) और (III) सही हैं ।

(v) 'थके पथिक की पंथा की' – पंक्ति में 'थका पथिक' शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया गया है ?

(A) पाठक के लिए

(B) कवि के लिए

(C) मित्र के लिए

(D) राहगीर के लिए

8. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है । काशी में मरण भी मंगल माना गया है । काशी आनंदकानन है । सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज़ सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा ।

भारतरत्न से लेकर इस देश के ढेरों विश्वविद्यालयों की मानद उपाधियों से अलंकृत व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार एवं पद्मविभूषण जैसे सम्मानों से नहीं, बल्कि अपनी अजेय संगीतयात्रा के लिए बिस्मिल्ला खाँ साहब भविष्य में हमेशा संगीत के नायक बने रहेंगे । नब्बे वर्ष की भरी-पूरी आयु में 21 अगस्त, 2006 को संगीत रसिकों की हार्दिक सभा से विदा हुए खाँ साहब की सबसे बड़ी देन हमें यही है कि पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत को संपूर्णता व एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिंदा रखा ।

(i) 'काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज़ सिखाने वाला हीरा है ।' वाक्य में प्रयुक्त 'सुर की तमीज़' से आशय है **1**

(A) सुर की समझ (B) सुर की प्रेरणा

(C) सुर से लगाव (D) सुर का रियाज़

(ii) "बिस्मिल्ला खाँ" ने किस भावना को प्रोत्साहित किया ? **1**

(A) परिश्रम और लगन (B) धार्मिक आस्था

(C) कौमी एकता और भाईचारा (D) उत्साह एवं उमंग

(iii) गद्यांश में काशी को किस रूप में प्रस्तुत किया गया है ? **1**

(A) शिक्षा का केंद्र (B) आनंदकानन

(C) तपस्वियों की नगरी (D) संस्कृत नगरी

(iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : 1

कथन : 'बिस्मिल्ला खाँ' हमेशा संगीत के नायक बने रहेंगे ।

कारण : उनकी संगीत यात्रा अजेय थी ।

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है ।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(C) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है ।

(D) कथन सही है, किंतु कारण उसकी सही व्याख्या नहीं है ।

(v) गद्यांश में काशी के लिए कौन से कथन सही हैं ? 1

(I) काशी में संगीत का बड़ा महात्म्य है ।

(II) काशी में मृत्यु को भी मंगल माना गया है ।

(III) काशी में रहने वाले शहनाई बजाते हैं ।

(IV) काशी संगीत के स्वरों पर जागती और सोती है ।

विकल्प :

(A) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(B) कथन (I), (II), (IV) सही हैं ।

(C) कथन (I), (II), (III) सही हैं ।

(D) कथन (II), (III), (IV) सही हैं ।

9. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **25-30** शब्दों में लिखिए : **3 × 2 = 6**

(i) 'संगतकार' कविता के आधार पर संगतकार के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

(ii) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर लिखिए कि शिशु कवि को क्यों नहीं पहचान सका ?

(iii) 'उत्साह' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि बादलों को 'नवजीवन' प्रदान करने वाले के रूप में क्यों मानते हैं ?

(iv) 'राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद' कविता के आधार पर श्री राम के चरित्र की दो विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए ।

10. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **25-30** शब्दों में लिखिए : **3 × 2 = 6**

(i) बालगोबिन भगत की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उनसे मिलने वाली किसी एक प्रेरणा को स्पष्ट कीजिए ।

(ii) पाठ में 'नेताजी का चश्मा' किस प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है ? इससे मिलने वाले संदेश को लिखिए ।

(iii) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर उस घटना का वर्णन कीजिए जिसके बारे में सुनकर मन्नू भंडारी को न अपनी आँखों पर विश्वास हुआ न कानों पर ।

(iv) 'मैं क्या लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक के अनुसार 'सभ्यता और संस्कृति' की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई ?

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **50-60** शब्दों में लिखिए : **2 × 4 = 8**

(i) 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ की अपने माता-पिता के प्रति प्रेम की अभिव्यक्ति किस प्रकार की गई है ? स्पष्ट करते हुए लिखिए कि आप अपने माता-पिता के प्रति प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं ?

(ii) लेखिका गंतोक की सुंदरता पर क्यों सम्मोहित थी ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख कीजिए ।

(iii) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक ने 'मैं क्यों लिखता हूँ' प्रश्न का क्या उत्तर दिया है ? उन्हें यह प्रश्न कठिन क्यों लगा ?

खंड – घ

(रचनात्मक लेखन)

12. (i) ए.टी.एम. केन्द्रों पर सावधानी बरतने संबंधी निर्देश देते हुए अ.ब.स. बैंक की ओर से लगभग **40** शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । **1 × 4 = 4**

अथवा

(ii) 'शिक्षक दिवस' पर अपनी प्रिय शिक्षिका को बधाई देते हुए लगभग **40** शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए ।

13. (i) आप प्रतीक/पुनीता हैं । आपके घर के पास एक प्रतिष्ठित विद्यालय में पुस्तकालयाध्यक्ष का पद रिक्त है । आप उस पद के लिए आवेदन करना चाहते हैं । इसके लिए लगभग **80** शब्दों में अपना एक स्ववृत्त लेख तैयार कीजिए । **1 × 5 = 5**

अथवा

(ii) आप पुनीत/प्रेरणा हैं । प्रत्येक सप्ताह के अंत में विद्यालय में योग शिक्षा की कक्षाएँ आयोजित करवाने का अनुरोध करते हुए छात्रसंघ के अध्यक्ष की ओर से लगभग **80** शब्दों में प्रधानाचार्य को ई-मेल लिखिए ।

14. निम्नलिखित **तीन** विषयों में से किसी **एक** विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **120** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : **1 × 6 = 6**

(i) कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) के बढ़ते कदम –

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता से अभिप्राय
- लाभ–हानि
- प्रयोग में सावधानी

(ii) प्रकृति और मानव का अनूठा संबंध

- प्रकृति और मनुष्य का पुरातन संबंध
- प्रकृति के संसर्ग का महत्त्व, वर्तमान रूप
- मनुष्य प्रकृति से कोसों दूर

(iii) मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

- लोकोक्ति का अर्थ
- मन को समझना
- मन ही आशा और निराशा का जनक

15. (i) आप गरिमा/गौरव हैं । आपके विद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थी हैं । उनके लिए विद्यालय परिसर में और कक्षा में उपयुक्त प्रावधान करवाने का अनुरोध करते हुए प्राचार्य/प्राचार्या को लगभग **100** शब्दों में पत्र लिखिए । **1 × 5 = 5**

अथवा

(ii) आप नंदनी/नमन हैं । विद्यालय द्वारा आयोजित शैक्षिक भ्रमण से लौटकर आने पर उसके बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए माताजी को लगभग **100** शब्दों में पत्र लिखिए ।